सफल होने की कोशिश किये बिना, हार मान जाना बेवकूफी

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम की इ-संगोष्ठी

आइआइएम की ओर से शुक्रवार को इ-संगोष्ठी का आयोजन हुआ. विषय था 'वीमेन ऑफ फेथ'. बतौर वक्ता महिला उद्यमी पायल अग्रवाल, दिशा सिंह और जपना ऋषि कौशिक शामिल हुईं. सफल इंटरप्रेन्योर के रूप में खुद को स्थापित करने के सफर को साझा किया. पायल अग्रवाल ने कहा कि अपने लक्ष्य में सफल होने की कोशिश किये बिना, हार मान जाना बेवकूफी है.

सफल होने से पहले कई चुनौतियों को पार करना होगा, जिससे बतौर उद्यमी खुद को बेहतर स्थापित करने और आस-पास के घटनाओं से सीख लेते हुए सफलता मिलेगी. पायल ने कहा कि उद्यमी बनने के लिए खुद का आत्मविश्वास जगाना जरूरी है. इससे खुद के काम को करने में रुचि जगेगी और दूसरों का सहयोग भी मिलेगा. वहीं ज्योक की सह-संस्थापक दिशा सिंह ने विद्यार्थियों को बतौर महिला इंटरप्रेन्योर अपनी शुरुआती तैयारी साझा की. इसके अलावा संगोष्ठी में मौजूद हंग्री फोअल की सह-संस्थापक जपना ऋषि कौशिक ने उद्यमी बनने के क्रम में आने वाली चुनौतियों को कैसे सकरात्मक पहल से दूर किया जा सकता है, पर अपने विचार दिये. वक्ताओं ने कहा कि सफल उद्यमी बनने के लिए आस-पास के खुद जैसी सोच वाले लोगों के साथ संपर्क बनाकर टीम बनानी होगी. निराशा से बचने के लिए परिवार, शिक्षक और दोस्तों के बीच खुद को बनाये रखने की जरूरत है. इससे मदद के समय परामर्श और सहयोग दोनों की संभावनाएं बनी रहेंगी. उद्यमी बनने के क्रम में अहंकार से बचते हुए खुद को नये विचार से जोड़ना होगा. साथ ही बतौर मेंटॉर किसी एक का चयन कर उनसे नियमित परामर्श और सलाह लेते रहें.

निदेशक डॉ. शैलेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रयास करते रहने की बात कही. इ-संगोष्ठी का आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस और सेंटर ऑफ एक्सिलेंस आइआइएम की ओर किया गया था.

Prabhat Khabar, 08.08.2020, Pg. 07